सत्यमेव जयते

प्रारम्भिक/माध्यमिक शिक्षा विभाग – राजस्थान सरकार

SIQE के अन्तर्गत

लर्निंग आउटकम्स अनुरूप सी.सी.ई./सी.सी.पी./ए.बी.एल. आधारित

आकलन सूचक अंकन पुस्तिका (चैकलिस्ट)

कक्षा : 1 से 5 तक

विषय : गणित

सत्र 2020-2021

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

www.rajteachers.com

अधिगम प्रतिफल आधारित शिक्षण आकलन प्रक्रिया एवं संरचना

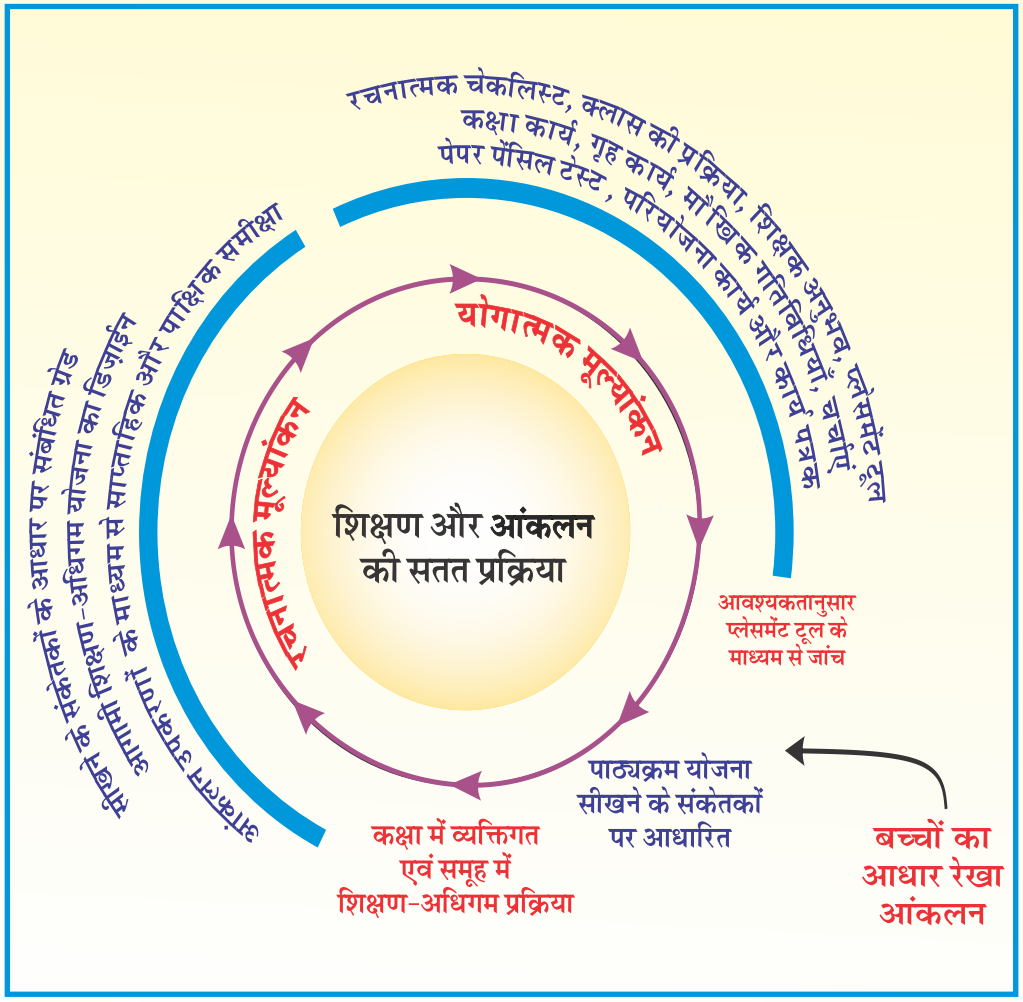

सहभागी संस्थाएँ

unicef
for every child

www.rajteachers.com

आकलन सूचक अंकन पुस्तिका (चैकलिस्ट) की प्रविष्टियों के लिए निर्देश

- यह पुस्तिका शिक्षक द्वारा वर्ष पर्यन्त विद्यार्थियों के साथ किए गए कार्यों की प्रगति का आईना है।
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन हेतु प्रस्तुत पुस्तिका में विद्यार्थियों की अधिगम क्षेत्रों के सापेक्ष रचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन को दर्ज किया जाना है।
- प्रस्तुत पुस्तिका में निम्नानुसार 5 प्रारूप दिए गए है –

  प्रारूप 1. विद्यार्थियों का टर्मवार विवरण (समूह 1 व समूह 2)

  प्रारूप 2. टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन का विवरण।

  प्रारूप 3. बुनियादी दक्षताओं से संबंधित सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

  प्रारूप 4. योगात्मक आकलन

  प्रारूप 5. शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक
- **प्रारूप 1 :विद्यार्थियों का टर्मवार विवरण** :–
  - ➢ प्रत्येक टर्म के प्रारम्भ में कक्षा में नामांकित विद्यार्थियों के अनुक्रमांक इस प्रारूप में समूहवार (समूह 1 व समूह 2) लिखे जाने हैं। ध्यान रहे कि अनुक्रमांक एक बार जो लिख दिये पूरे सत्र में वो ही रहेंगे।
  - ➢ टर्म 1 के प्रारम्भ की स्थिति में आधार रेखा/ पदस्थापन के आधार पर अनुक्रमांक लिखें जाने हैं।
  - ➢ टर्म 2 के प्रारम्भ की स्थिति में प्रथम टर्म के बाद से प्राप्त ग्रेड व कक्षा स्तर के आधार पर समूह के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखें जाने हैं।
  - ➢ टर्म 3 के प्रारम्भ की स्थिति में द्वितीय टर्म के बाद से प्राप्त ग्रेड व कक्षा स्तर के आधार पर समूह के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखें जाने हैं।
  - ➢ सत्रांत की स्थिति में SA 3 के बाद की स्थिति के आधार पर समूह के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखे जाने हैं।
  - ➢ शिक्षक का सतत प्रयास रहे कि समूह 2 के विद्यार्थियों के साथ उनकी आवश्यकतानुसार कार्य करते हुए समूह 1 के स्तर तक लाया जाए।
- **प्रारूप 2 : टर्मवार सतत रचनात्मक आकलन का विवरण** :–
  - ➢ इस प्रारूप में विद्यार्थियों के अनुक्रमांक 1–25 तक अंकित है।
  - ➢ इस प्रारूप में शिक्षक कक्षा में कार्य करते हुए विद्यार्थियों के अनुक्रमांक के कॉलम में A/B/C ग्रेड दर्ज करेंगे। एक रचनात्मक आकलन में एक बार ग्रेड अंकित की जानी है।
  - ➢ कक्षा 1 व 2 के पर्यावरण विषय में रचनात्मक आकलन में मौखिक गतिविधियों के आधार पर ग्रेड A/B/C दर्ज की जानी हैं।
  - ➢ कक्षा में 25 से अधिक नामांकन होने की स्थिति में अतिरिक्त पृष्ठ उपयोग में लिया जाना हैं।
- **प्रारूप 3 : बुनियादी दक्षताओं से संबंधित सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति** :–
  - ➢ इस प्रारूप में शिक्षक समूह 2 के विद्यार्थियों के अनुक्रमांक लिखेंगे और उनके स्तरानुसार कार्य करते हुए प्रगति दर्ज करेंगे।
  - ➢ कक्षा 1 में बुनियादी दक्षताओं से सम्बंधित सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति प्रारूप नहीं है। यह प्रारूप कक्षा 2 से कक्षा 5 तक दिया गया है।
  - ➢ पर्यावरण अध्ययन विषय में बुनियादी दक्षताएँ भाषा एवं गणित विषय में समाहित है। अतः पर्यावरण अध्ययन विषय में यह प्रारूप नहीं दिया गया है।

www.rajteachers.com

- ➢ प्रत्येक कक्षा के तृतीय टर्म के बाद पूर्व कक्षा की बुनियादी दक्षताओं की चैकलिस्ट दी गई है। जिसमें सम्बंधित विद्यार्थियों के रोल नं. लिखकर उनकी उपलब्धि प्रगति को दर्ज किया जाना है।
- ➢ शिक्षक प्रत्येक कक्षा में समूह 2 के विद्यार्थियों के साथ उनकी आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण कार्य करते हुए उन्हें समूह 1 में लाने का प्रयास करें।

- **प्रारूप 4 : योगात्मक मूल्यांकन :–**
  - ➢ इस प्रारूप में विद्यार्थियों के अनुक्रमांक 1–25 तक अंकित है।
  - ➢ इस प्रारूप में शिक्षक पोर्टफोलियों, रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट, कक्षा–कार्य, गृह–कार्य, मौखिक क्रियाएँ परिचर्चा, कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया, शिक्षक अनुभव एवं समयावधि पर किए जाने वाले पेपर पेंसिल टेस्ट के आधार पर ग्रेड दर्ज करेंगे।
  - ➢ ध्यान रहे कि योगात्मक मूल्यांकन से समेकित ग्रेड वार्षिक अभिलेख पंजिका में दर्ज करनी होगी। चूंकि यह शिक्षक की स्वायत्तता का क्षेत्र है। अतः इसका कोई गणितीय सूत्र निर्धारित नहीं है।
  - ➢ हिन्दी, अंग्रेजी व गणित में जिन अधिगम क्षेत्रों के सम्मुख कक्षास्तर अंकित है, उनके सामने सम्बंधित टर्म के दौरान विद्यार्थी ने जिस कक्षास्तर की उपलब्धि प्राप्त की वह कक्षा अंकित की जाएगी। नीचे दिए गए सूचकों में टर्म के दोरान विद्यार्थियों की उपलब्धि की ग्रेड दी जाएगी।
  - ➢ कक्षा 1व 2 के पर्यावरण विषय में योगात्मक मूल्यांकन **SA-I** व **SA-III** में मौखिक गतिविधियों के आधार पर ग्रेड **A/B/C** दर्ज की जानी हैं।
  - ➢ यह प्रारूप इस पुस्तिका से पृथक कर वार्षिक अभिलेख पंजिका के साथ विद्यालय में स्थायी रूप से रखना होगा।

- **प्रारूप 5 : शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक :–**
  - ➢ इस प्रारूप में SA 1 और SA 3 के दौरान विद्यार्थियों की शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सापेक्ष ग्रेड दर्ज की जाएगी।

- **ग्रेड लिखने का आधार –**

  A = स्वतन्त्र रूप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना।

  B = शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना।

  C = शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना।

- कक्षा 5 के अंतर्गत तृतीय योगात्मक आकलन के स्थान पर आयोज्य प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन के समय सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को सम्मिलित करते हुए पेपर पेन्सिल टेस्ट लिया जाना है।

www.rajteachers.com

प्रारूप–1

कक्षा स्तर के अनुरूप (समूह–1) एवं कक्षा स्तर से न्यून (समूह–2) विद्यार्थियों के अनुक्रमांक (रोल नम्बर) का टर्मवार विवरण

नामांकित कक्षा	कक्षा 1		कक्षा 2		कक्षा 3		कक्षा 4		कक्षा 5	
	विद्यार्थियों के अनुक्रमांक		विद्यार्थियों के अनुक्रमांक		विद्यार्थियों के अनुक्रमांक		विद्यार्थियों के अनुक्रमांक		विद्यार्थियों के अनुक्रमांक	
कक्षा स्तर	समूह 1	समूह 2	समूह 1	समूह 2	समूह 1	समूह 2	समूह 1	समूह 2	समूह 1	समूह 2
टर्म - 1 के प्रारम्भ की स्थिति										
टर्म - 2 के प्रारम्भ की स्थिति										
टर्म - 3 के प्रारम्भ की स्थिति										
सत्रान्त की स्थिति										

www.rajteachers.com

प्रारूप–2

टर्म 1 :– सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा – 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान की समझ																									
अन्दर–बाहर, पास–दूर, छोटा–बड़ा, पहले–बाद आदि की अवधारणत्मक समझ।																									
खिसकने, लुढ़कने के आधार पर चीज़ों का वर्गीकरण कर पाना।																									
संख्या ज्ञान की समझ																									
1 से 9 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।																									
1 से 9 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।																									
1 से 9 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना।																									
1 से 9 तक की संख्या में चीज़ों का अंदाजा लगा पाना।																									
शून्य की अवधारणा को समझ पाना।																									
1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।																									
1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।																									
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना।																									
संक्रियाओं की समझ																									
जोड़ की अवधारणा एवं इकाई में इकाई के जोड़ को लिखित में कर पाना। (योगफल 9 से कम)																									
घटाव की अवधारणा एवं इकाई से इकाई के घटाव को लिखित में कर पाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म 2 :– सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा – 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक →	अनुक्रमांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
संख्या ज्ञान की समझ																										
1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर सख्या लिख व पहचान कर बता पाना।																										
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना।																										
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।																										
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।																										
1 से 50 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बताना।																										
51 से 99 तक की संख्याओं को पहचानना, बोलना व क्रम से लिखने की समझ बना पाना।																										
संक्रियाओं की समझ																										
दो अंकों की संख्या में एक अंक व दो अंको की सख्या जोड़ पाना। (1 से 20)																										
दो अंकों की संख्या में से एक अंक की संख्या घटा पाना।(1से 20)																										
मापन की समझ																										
20 रुपये तक राशि में चीज़ों की कीमत का अनुमान लगाना।																										
20 रुपये तक राशि में जोड़–घटाव कर पाना।																										
असमान, अमानक इकाई के प्रयोग से लम्बाई का मापन कर पाना। (बालिस्त, हाथ, कदम आदिं)																										
पहले व बाद की घटनाओं को बता पाना एवं घटनाओं को क्रमानुसार बता पाना।																										
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																										
सरल परिवेशीय आँकड़ों का संकलन कर पाना एवं उन पर चर्चा कर पाना। (जैसे– किसको खाने में क्या पसंद है ?)																										

www.rajteachers.com

टर्म 3 :– सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा – 1

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक → अनुक्रमांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान की समझ																									
अन्दर–बाहर, पास–दूर, छोटा–बड़ा, पहले–बाद में आदि की अवधारणात्मक समझ।																									
खिसकने, लुढ़कने के आधार पर चीज़ों का वर्गीकरण कर पाना।																									
संख्या ज्ञान की समझ																									
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर व लिखकर बता पाना।																									
1 से 50 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना।																									
51 से 99 तक की संख्याओं को पहचानना, बोलना व क्रम से लिखने की समझ बना पाना।																									
संक्रियाओं की समझ																									
दो अंको की संख्या में एक अंक, दो अंको की संख्या जोड़ पाना। (1 से 20)																									
दो अंकों की संख्या में से एक अंक, दो अंकों की संख्या घटा पाना। (1 से 20)																									
मापन की समझ																									
20 रुपये तक की चीजों का लेन–देन कीमत के अनुमान के आधार पर एवं जोड़–घटाव करके कर पाना।																									
असमान, अमानक इकाई के प्रयोग से लम्बाई का मापन कर पाना। (बालिस्त, हाथ, कदम आदिं)																									
पहले व बाद की घटनाओं को बता पाना एवं घटनाओं का क्रम बता पाना।																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																									
रंग, आकार व आकृति के आधार पर बने पैटर्न को खोज पाना एवं दिए गए पैटर्न को आगे बढ़ा पाना।																									
आकृतियों एवं संख्याओं के पैटर्न का उपयोग कर पाना अथवा नए डिज़ाइन बनाने का प्रयास कर पाना। (जैसे– मांडने, रंगोली, कागज़ की फर्रियों से सजावट कर पाना आदि)																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–4

टर्मवार योगात्मक आकलन की स्थिति

पोर्टफोलियो,रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट, कक्षा कार्य, गृह कार्य, मौखिक क्रियाएं, विचार विमर्श, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएं, शिक्षक अनुभव को आधार बनाते हुए पूर्ति करें।

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान की समझ																										
छोटा–बड़ा, पहले बाद, अन्दर, बाहर ऊपर–नीचे जैसे शब्दों की समझ के आधार पर तुलना कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
खिसकने, लुढ़कने के आधार पर चीज़ों का वर्गीकरण कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
संख्या ज्ञान की समझ																										
संख्या नाम (1 से 10/1 से 20/1 से 50) पढ़कर/ सुनकर चीज़ों को गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
	III																									
संख्या नाम (1 से 10/1 से 20/1 से 50) सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।	I																									
	II																									
	III																									
संख्याओं (1 से 10/1 से 20/1 से 50) की तुलना व मात्रात्मक बोध कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
51 से 99 तक की संख्याएं बोलना, लिखना एवं क्रम से बता पाना।	I																									
	II																									
	III																									

www.rajteachers.com

संक्रियाओं की समझ																										
इकाई में इकाई एवं दहाई में इकाई का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित में कर पाना। (योगफल 10 से कम / 20 से कम)	I																									
	II																									
	III																									
इकाई से इकाई एवं दहाई से इकाई का बिना उधार का घटाना। मौखिक व लिखित में कर पाना। (1 से 20 तक की संख्या में)	I																									
	II																									
	III																									
मापन की समझ																										
चीज़ों की कीमत का अनुमान लगा पाना एवं लेन–देन कर पाना। (20 रूपये तक)	I																									
	II																									
	III																									
पहले व बाद की घटनाओं को क्रमानुसार बता पाना।	I																									
	II																									
	III																									
असमान, अमानक इकाई के उपयोग से लम्बाई का मापन कर पाना (बालिस्त, हाथ, कदम आदि)।	I																									
	II																									
	III																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																										
रंग, आकार व आकृति के आधार पर पैटर्न खोजना, बढ़ा पाना और नए पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
• (चित्रों से) (चित्रों की संख्याओं में) (परिवेशीय डिज़ाइनों में)	III																									
सरल परिवेशीय आँकड़ों का संकलन कर पाना एवं उन पर चर्चा कर पाना। (जैसे– किसको खाने में क्या पसंद है ?)	I																									
	II																									
	III																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–5

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																										
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।	I																									
	III																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बताना बल्कि उदाहरणों से समझाना)	I																									
	III																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना एवं त्रुटि सुधार कर पाना।	I																									
	III																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																										
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।	I																									
	III																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।	I																									
	III																									
गणित के प्रति रुझान																										
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।	I																									
	III																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।	I																									
	III																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।	I																									
	III																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–2

टर्म 1 :– सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा – 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान की समझ																									
आकृति देखकर खिसकने अथवा लुढ़कने का गुण बता पाना व उदाहरण देना तथा त्रिआयामी चीजों को ट्रेसिंग करके द्विआयामी पृष्ठों की पहचान कर पाना।																									
त्रिआयामी आकृतियों जैसे घन, घनाभ, गोला, बेलन, शंकु को नाम से पहचान पाना।																									
द्विआयामी आकृतियों को अपनी परिवेशीय वस्तुओं एवं चित्रों में पहचान पाना।																									
वस्तु की स्थिति को अन्य चीज़ों के सापेक्ष समझा पाना।																									
सीधी (खड़ी, पड़ी और तिरछी) तथा घुमावदार रेखाओं की सहायता से सरल चित्रों की रचना कर पाना।																									
वस्तुओं के आकार, आकृति एवं रंगों आदि गुणधर्मों के आधार पर वर्गीकरण कर पाना।																									
संख्या ज्ञान की समझ																									
10–10 के समूहों एवं खुल्लों की मदद से संख्याओं का निरुपण एवं मुद्रा के अनुप्रयोग द्वारा संख्या निरूपण कर पाना।																									
1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना एवं संख्या लिख पाना।																									
अंकों की पुनरावृति से संख्या निर्माण, तुलना एवं स्थानीय मान को समझ पाना।																									
संख्या रेखा (गिनमाला) पर संख्याओं को दर्शा पाना।																									
संक्रियाओं की समझ																									
दो अंको की संख्या के जोड़ एवं उन पर आधारित इबारती प्रश्नों को हल करना।(बिना हासिल के)																									
दो अंको की संख्या के घटाव एवं उन पर आधारित इबारती प्रश्नों को हल करना।(बिना हासिल के)																									
जोड़–घटाव के परिणामों का अनुमान लगा पाना।																									
एक ही संख्या के बार–बार के जोड़ को गुणा के रूप में समझ पाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म 2 :– सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा – 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
संख्या ज्ञान की समझ																									
1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों को गिनना एवं लिख पाना।																									
संक्रियाओं की समझ																									
दो अंको की संख्या के जोड़ एवं घटाव (बिना हासिल) तथा उन पर आधारित इबारती प्रश्नों को हल कर पाना।																									
एक ही संख्या के बार–बार के जोड़ को गुणा के रूप में समझ पाना।																									
बार बार घटाने के रूप में भाग की अवधारणात्मक समझ बना पाना।																									
मापन की समझ																									
परिवेशीय चीज़ों को देखकर मापन सम्बंधी तुलनात्मक अनुमान लगा पाना।																									
अमानक इकाइयों से मापन की समझ बना पाना।																									
सप्ताह के दिनों व महीनों के नाम क्रम से बता पाना तथा ठीक–पहले व ठीक–बाद के दिन व माह का नाम बता पाना।																									
एक, पाँच, दस व बीस रुपये की मुद्रा से कुल 100 रुपये तक की राशि में हिसाब–किताब कर पाना।																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																									
दैनिक जीवन की सरलतम घटनाओं के आंकड़ों का संकलन कर पाना।																									
संकलित आँकड़ों का विश्लेषण समझ के साथ कर निष्कर्ष निकाल पाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म 3 :– सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा – 2

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक → अनुक्रमांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान की समझ																									
अवलोकन अथवा ट्रेसिंग से त्रिआयामी आकृति के द्विआयामी पृष्ठों को पहचान पाना।																									
त्रिआयामी आकृतियों जैसे घन, घनाभ, बेलन, शंकु, गोला आदि की नाम से पहचान एवं सीधी व घुमावदार रेखाओं द्वारा सरल चित्रों की रचना कर पाना।																									
संख्या ज्ञान की समझ																									
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।																									
अंको की पुनरावृत्ति से संख्या निर्माण, तुलना एवं स्थानीय मान को समझ पाना।																									
संख्या रेखा (गिनमाला) पर संख्याओं को दर्शा पाना।																									
संक्रियाओं की समझ																									
दो अंको की संख्या के बिना हासिल के जोड़ व बिना उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों को हल करना।																									
गुणा व भाग की अवधारणात्मक समझ बना पाना।																									
मापन की समझ																									
अमानक इकाइयों से मापन की समझ बना पाना।																									
सप्ताह के दिनों व महीनों के नाम क्रम से बता पाना तथा ठीक–पहले व ठीक–बाद के दिन व माह का नाम बता पाना।																									
एक, पाँच, दस व बीस रुपये की मुद्रा से कुल 100 रुपये तक की राशि में हिसाब–किताब कर पाना।																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																									
रंग, आकार व आकृति के आधार पर पैटर्न खोज कर आगे बढ़ा पाना।																									
ठोस चीज़ों की सहायता से सरल संख्यात्मक पैटर्न खोज पाना, उसे आगे बढ़ा पाना तथा नये पैटर्न बना पाना।																									
संख्याओं के सरल पैटर्न को खोज पाना एवं आगे बढ़ा पाना।																									
दैनिक जीवन की सरलतम घटनाओं के आंकड़ों का संकलन कर पाना एवं निष्कर्ष निकाल पाना।																									

प्रारूप–3

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा–1	*संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक अनुक्रमांक →	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I										
		II										
		III										
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।		I										
		II										
		III										
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना।		I										
		II										
		III										
51 से 99 तक की संख्याओं को बोलना, पहचानना व क्रम से लिख पाना।		I										
		II										
		III										
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित हल कर पाना।(1 से 20 तक की संख्या में)		I										
		II										
		III										
दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित हल कर पाना। (1 से 20 तक की संख्या में)		I										
		II										
		III										

प्रारूप–4

टर्मवार योगात्मक आकलन की स्थिति

पोर्टफोलियो, रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट, कक्षा कार्य, गृह कार्य, मौखिक क्रियाएं, विचार विमर्श, कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएं, शिक्षक अनुभव को आधार बनाते हुए पूर्ति करें।

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान की समझ																										
त्रिआयामी चीज़ों का वर्गीकरण कर पाना। सहज रूप में देखकर, सरकाकर एवं लुढ़काकर, उनके तल, कोने, किनारे गिनकर।	I																									
	II																									
	III																									
त्रिआयामी आकृतियों घन, घनाभ, गोला, बेलन, शंकु की पहचान तथा त्रिआयामी व द्विआयामी आकृतियों के सम्बन्ध को समझ पाना।	I																									
	II																									
	III																									
संख्या ज्ञान की समझ — **कक्षा स्तर**	I																									
	II																									
	III																									
संख्या नाम पढ़कर/सुनकर चीज़ों को गिनकर बता पाना। • (1–50 तक कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2)	I																									
	II																									
	III																									
संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना। • (1–50 तक कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2)	I																									
	II																									
	III																									
संख्याओं की तुलना कर पाना। • (1–50 तक कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2)	I																									
	II																									
	III																									
चीज़ों व चित्रों को देखकर उनकी मात्रा का अनुमान लगा पाना। • (1–50 तक कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2)	I																									
	II																									
	III																									
विविध प्रकार से संख्याओं का निरूपण कर पाना। • (1–50 तक कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2)	I																									
	II																									
	III																									

संक्रियाओं की समझ	कक्षा स्तर																									
		II																								
		III																								
बिना हासिल का जोड़ एवं बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित रूप में हल कर पाना। • एक अंक का (कक्षा–1) ,दो अंकों का (कक्षा–2)		I																								
		II																								
		III																								
इबारत पढ़कर/सुनकर संक्रिया को हल कर पाना। जोड़ व घटाव (बिना हाँसिल) (केवल कक्षा–2 के लिए)		I																								
		II																								
		III																								
गुणा व भाग की अवधारणात्मक समझ बना पाना। (केवल कक्षा–2 के लिए)		I																								
		II																								
		III																								
मापन की समझ																										
चीज़ों की कीमत का अनुमान लगा पाना एवं लेन–देन कर पाना। (100 रुपये तक में)		I																								
		II																								
		III																								
सप्ताह के दिनों व महीनों के नाम क्रम से बता पाना तथा ठीक–पहले व ठीक–बाद के दिन व माह का नाम बता पाना।		I																								
		II																								
		III																								
चीज़ों की मात्रा का विविध भौतिक राशियों (भार, धारिता एवं लम्बाई) के संदर्भ में अनुमान लगा पाना।		I																								
		II																								
		III																								
विविध भौतिक राशियों का मापन कर पाना। (अमानक इकाइयों से)		I																								
		II																								
		III																								
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																										
रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना। चित्रों से / चित्रों की संख्याओं में /परिवेशीय डिज़ाइनों में		I																								
		II																								
		III																								
संख्याओं में पैटर्न को खोजना, बढ़ाना एवं नए पैटर्न बनाना। (संख्या रेखा पर)		I																								
		II																								
		III																								
दैनिक जीवन की घटनाओं के आँकड़ों का प्रबन्धन कर पाना। संकलन, संगठन, निष्कर्ष आदि।		I																								
		II																								
		III																								

www.rajteachers.com

प्रारूप–5

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																										
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।	I																									
	III																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बताना बल्कि उदाहरणों से समझाना)	I																									
	III																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना एवं त्रुटि सुधार कर पाना।	I																									
	III																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																										
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।	I																									
	III																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।	I																									
	III																									
गणित के प्रति रुझान																										
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।	I																									
	III																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।	I																									
	III																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।	I																									
	III																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–2

टर्म 1 :– सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा – 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
संख्या ज्ञान की समझ																									
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण कर पाना।(1 से 999)																									
संख्याओं के विस्तारित रूप की समझ बना पाना।																									
संख्याओं की तुलना करने की समझ बना पाना।(स्थानीय मान के आधार पर 999 तक की)																									
संख्याओं को अंकों से शब्दों एवं शब्दों से अंकों में एवं देवनागरी अंको को अन्तर्राष्ट्रीय अंकों में निरुपित कर पाना।																									
संक्रियाओं की समझ																									
तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हॉसिल का जोड़ मानक प्रचलित कलन–विधि से कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित)																									
तीन अंकों तक की संख्याओं का हॉसिल का जोड़ स्थानीयमान की मदद से कर पाना।																									
तीन अंकों की संख्याओं का बिना उधार का घटाना मानक प्रचलित कलन–विधि से कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित)																									
तीन अंकों की संख्याओं का उधार का घटाना स्थानीयमान की समझ के साथ कर पाना।																									
दैनिक जीवन की जोड़–घटाव की समस्याओं को मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।																									
2 से 10 तक पहाड़े बना व सुना पाना तथा 2, 3, 4, 5 व 10 के गुणज से परिचय एवं दैनिक जीवन में अनुप्रयोग कर पाना।																									
इकाई में इकाई व दहाई में इकाई के गुणा की समझ बना पाना।																									
बार–बार बराबर समूह में बाँटने की क्रिया को भाग के रूप में समझ पाना।																									
दैनिक जीवन में गुणा व भाग पर आधारित इबारती प्रश्न हल कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित)																									
वैदिक गणित का आरम्भिक प्रयोग जोड़–घटाव में कर पाना। (एकाधिकेन एवं एक न्यूनेन से)																									
आकृति एवं स्थान की समझ																									
द्विआयामी आकृतियों की पहचान तथा कोने, किनारे एवं विकर्ण की समझ बना पाना।																									
सममित अक्ष खोजना, सममिति के आधार पर चीजें बनाना/पूरा करना एवं टॉप–व्यू/साइड–व्यू के आधार पर चीजों को विजुवलाइज कर पाना।																									
मापन की समझ																									
मुद्रा पर आधारित दैनिक जीवन की समस्याएँ हल कर पाना एवं मूल्य सूची व बिल बनाने की अवधारणा को समझ पाना।																									
100 रुपये तक की राशि में खुल्ले कितने प्रकार से हो सकते हैं? समझा पाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म 2 :– सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा – 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान की समझ																									
द्विआयामी आकृतियों की पहचान तथा कोने, किनारे एवं विकर्ण की समझ बना पाना।																									
संख्या ज्ञान की समझ																									
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण व तुलना कर पाना तथा स्थानीय मान की समझ बना पाना।																									
बराबर बँटवारे के संदर्भ में आधा, पाव, सवा तथा ढाई जैसे शब्दों की मदद से हिस्सा बता पाना एवं निरूपण कर पाना।																									
संक्रियाओं की समझ																									
तीन अंकों तक की संख्याओं का हाँसिल का जोड़ एवं उधार का घटाना स्थानीयमान की मदद से कर पाना।(इबारती प्रश्नों सहित)																									
2 से 10 तक पहाड़े बना व सुना पाना तथा 2, 3, 4, 5 व 10 के गुणज से परिचय एवं दैनिक जीवन में अनुप्रयोग कर पाना।																									
दैनिक जीवन के गुणा व भाग पर आधारित इबारती प्रश्न हल कर पाना।																									
मापन की समझ																									
कैलेण्डर पढ़कर माह, सप्ताह, दिन एवं दिनांक बता पाना तथा घड़ी का उपयोग करते हुए समय बता पाना।																									
विविध भौतिक राशियों के मापन में समान मानक इकाई की आवश्यकता को महसूस करना।																									
समान अमानक इकाई के आधार पर विविध भौतिक राशियों में तुलना करना।																									
मानक इकाइयों ग्राम, किलोग्राम तथा साधारण तुला के उपयोग से वस्तुओं का भार मापन एवं दैनिक जीवन की स्थितियों में ग्राम, किलोग्राम मापों को जोड़ना व घटा पाना।																									
इंचटेप/पैमाने द्वारा लम्बाई का मापन सेन्टीमीटर में कर पाना।																									
क्षेत्रफल की आरम्भिक समझ (खाने गिनकर) बना पाना एवं अनुमान लगा पाना।																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																									
आकृति एवं संख्या के आधार पर पैटर्न खोजकर आगे बढ़ा पाना।																									
जोड़–घटाव की संक्रिया पर आधारित पैटर्न खोजना एवं आगे बढ़ा पाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म 3 :– सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा – 3

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान की समझ																									
सममित अक्ष खोजना, सममिति के आधार पर चीजें बनाना/पूरा करना एवं टॉप व्यू/साइड व्यू के आधार पर चीजों को विजुवलाइज कर पाना।																									
संख्या ज्ञान की समझ																									
1 से 999 तक की संख्याओं को पढ़ पाना एवं संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना।																									
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण व तुलना कर पाना।																									
संख्याओं को अंकों से शब्दों एवं शब्दों से अंकों में एवं देवनागरी अंको को अन्तर्राष्ट्रीय अंकों में निरुपित कर पाना।																									
बराबर बँटवारे के सन्दर्भ में आधा, पाव, सवा तथा ढाई जैसे शब्दों की मदद से हिस्सा बता पाना एवं निरुपण कर पाना।																									
संक्रियाओं की समझ																									
तीन अंकों तक की संख्याओं का हाँसिल का जोड़ एवं उधार का घटाव स्थानीय मान की मदद से कर पाना (इबारती प्रश्नों सहित)।																									
गुणा व भाग की दैनिक जीवन की समस्याओं की इबारत समझकर समस्या समाधान कर पाना।																									
वैदिक गणित का आरम्भिक प्रयोग जोड़–घटाव में कर पाना।																									
मापन की समझ																									
मुद्रा पर आधारित दैनिक जीवन की समस्याएँ हल कर पाना।																									
मानक इकाइयों ग्राम, किलोग्राम तथा साधारण तुला के उपयोग से वस्तुओं का भार मापन एवं दैनिक जीवन की स्थितियों में ग्राम, किलोग्राम मापों को जोड़ना व घटा पाना।																									
विविध भौतिक राशियों के मापन में समान मानक इकाई की आवश्यकता को महसूस करना।																									
इंचटेप/पैमाने द्वारा लम्बाई का मापन सेन्टीमीटर में कर पाना।																									
क्षेत्रफल की आरम्भिक समझ (खाने गिनकर) बना पाना एवं अनुमान लगा पाना।																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																									
परिवेशीय सूचनाओं/जानकारियों को संकलित कर पाना (टैली चिन्ह की मदद से)।																									
चित्रालेख को समझ के साथ पढ़ पाना एवं निष्कर्ष निकाल पाना।																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–3

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा–1	संख्या ज्ञान एवं संक्रियाओं के सूचक अनुक्रमांक →	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I										
		II										
		III										
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।		I										
		II										
		III										
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना।		I										
		II										
		III										
51 से 99 तक की संख्याओं को बोलना, पहचानना व क्रम से लिख पाना।		I										
		II										
		III										
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित हल कर पाना।(1 से 20 तक की संख्या में)		I										
		II										
		III										
दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित हल कर पाना। (1 से 20 तक की संख्या में)		I										
		II										
		III										

कक्षा–2	*संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक अनुक्रमांक →	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I										
		II										
		III										
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।		I										
		II										
		III										

दहाई की अवधारणा की समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I										
	II										
	III										
चीज़ों की संख्या का अनुमान 100 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I										
	II										
	III										
**दहाई में दहाई के बिना हाँसिल के जोड़ पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना।	I										
	II										
	III										
दहाई में दहाई के बिना उधार के घटाने पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना।	I										
	II										
	III										
बार–बार जोड़ कर गुणा एवं बार–बार घटाकर भाग कर पाना।	I										
	II										
	III										

www.rajteachers.com

प्रारूप–4

टर्मवार योगात्मक आकलन की स्थिति

पोर्टफोलियो,रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट,कक्षा कार्य,गृह कार्य,मौखिक क्रियाएं,विचार विमर्श,कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएं,शिक्षक अनुभव को आधार बनाते हुए पूर्ति करें।

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक →	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान की समझ																											
आकृतियों को विविध कोणों से विजुवलाइज कर पाना		I																									
		II																									
		III																									
त्रिआयामी व द्विआयामी आकृतियों के सम्बन्ध को समझ पाना। (ट्रेसिंग से, पृष्ठीय विकास से, नेट पर आकृति बनाकर) • द्विआयामी आकृतियों के कोने, किनारे एवं विकर्ण की समझ बना पाना।		I																									
		II																									
		III																									
सममिति की समझ बनाना • अधूरे चित्र पूरे करना • सममित अक्ष खोजना		I																									
		II																									
		III																									
संख्या ज्ञान की समझ	कक्षा स्तर	I																									
		II																									
		III																									
संख्या नाम पढ़कर/सुनकर चीज़ों को गिनकर बता पाना व लिख पाना। • (1–99 कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2) (1–999 कक्षा–3)		I																									
		II																									
		III																									
संख्याओं की तुलना कर पाना। • (1–50 कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2) (1–999 कक्षा–3)		I																									
		II																									
		III																									
चीज़ों व चित्रों को देखकर उनकी मात्रा का अनुमान लगा पाना। • (1–50 कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2) (1–999 कक्षा–3)		I																									
		II																									
		III																									

www.rajteachers.com

चीज़ों व चित्रों को देखकर उनकी मात्रा का विविध प्रकार से संख्याओं का निरूपण कर पाना। • (1–50कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2) (1–999 कक्षा–3)	I																									
	II																									
	III																									
देवनागरी अंकों की समझ व अन्तर्राष्ट्रीय अंकों के संबंध को समझ पाना। (केवल कक्षा–3)	I																									
	II																									
	III																									
भिन्न की प्रारम्भिक समझ बना पाना। (जैस पाव, आधा, सवा, ढ़ाई आदि)	I																									
	II																									
	III																									
संक्रियाओं की समझ **कक्षा स्तर**	I																									
	II																									
	III																									
बिना हासिल का जोड़ एवं बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित रूप में हल कर पाना। • एक अंक का (कक्षा–1), दो अंकों का (कक्षा–2)	I																									
	II																									
	III																									
इबारत पढ़कर/सुनकर संक्रिया को हल कर पाना। जोड़ व घटाव (बिना हाँसिल) (केवल कक्षा–2 के लिए)	I																									
	II																									
	III																									
गुणा व भाग की अवधारणात्मक समझ बना पाना। (केवल कक्षा–2 के लिए)	I																									
	II																									
	III																									
वैदिक गणित के सूत्र एकाधिकेन एवं एक न्यूनेन की अवधारणाणात्मक समझ पाना। (केवल कक्षा–3)	I																									
	II																									
	III																									
इबारत पढ़कर/सुनकर संक्रिया को हल कर पाना। जोड़ व घटाव बिना हाँसिल (कक्षा–2) जोड़ व घटाव (हासिल) गुणा व भाग (कक्षा–3)	I																									
	II																									
	III																									

मापन की समझ																										
चीज़ों की कीमत का अनुमान लगा पाना एवं लेन–देन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
सप्ताह के दिनों व महीनों के नाम क्रम से बता पाना तथा ठीक–पहले व ठीक–बाद के दिन व माह का नाम बता पाना तथा घड़ी का उपयोग कर समय बता पाना।	I																									
	II																									
	III																									
चीज़ों की मात्रा का विविध भौतिक राशियों के संदर्भ में अनुमान लगा पाना एवं मापन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
इंचटेप/पैमाने द्वारा सेन्टीमीटर में लम्बाई का मापन तथा ग्राम किलोग्राम द्वारा भार का मापन कर पाना।	I																									
	II																									
	III																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																										
रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
	III																									
संख्याओं में पैटर्न को खोजना, बढ़ाना एवं नए पैटर्न बनाना। संख्या रेखा पर जोड़–घटाव पर आधारित	I																									
	II																									
	III																									
दैनिक जीवन की घटनाओं के आँकड़ों का प्रबन्धन कर पाना। संकलन/संगठन • आलेख निरूपण (पिक्टोग्राफ) /विश्लेषण/निष्कर्ष	I																									
	II																									
	III																									

प्रारूप–5

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																										
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।	I																									
	III																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।	I																									
	III																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बताना बल्कि उदाहरणों से समझाना)	I																									
	III																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना एवं त्रुटि सुधार कर पाना।	I																									
	III																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।	I																									
	III																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																										
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।	I																									
	III																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।	I																									
	III																									
गणित के प्रति रुझान																										
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।	I																									
	III																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।	I																									
	III																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नही छोड़ पाना।	I																									
	III																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–2

टर्म 1 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
संख्या ज्ञान की समझ																									
अपेक्षाकृत बढ़ते स्तर पर चार अंकों तक की संख्याओं का निरूपण कर पाना।																									
संख्याओं की तुलना करने में >, =, < के चिह्नों का प्रयोग कर पाना।																									
चार अंकों तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।																									
गिनती के सरल परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। जैसे– संख्या चार्ट एवं पुस्तकालय में अमुक नम्बर की पुस्तक ढूँढ़ पाना आदि।																									
संक्रियाओं की समझ																									
तीन अंकों की संख्याओं में हाँसिल के जोड़ पर आधारित आंकिक व इबारती प्रश्न कलन–विधि से हल करना।(देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित)																									
तीन अंकों की संख्याओं में उधार के घटाने पर आधारित आंकिक व इबारती प्रश्न कलन–विधि से हल करना।																									
एकाधिकेनपूर्वेण सूत्र का अनुप्रयोग जोड़–घटाव में कर पाना।																									
11 से 20 तक पहाड़े बना एवं सुना पाना।																									
दहाई व सैंकड़े की संख्याओं के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्न समझकर हल कर पाना व 10 के गुणा के पैटर्न को समझ पाना																									
गुणा करने के अलग–अलग तरीके काम में ले पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहीत)																									
आकृति एवं स्थान की समझ																									
वस्तुओं के शीर्ष दृश्य (टॉप–व्यू), सम्मुख दृश्य (फ्रन्ट–व्यू) तथा पार्श्व दृश्य (साइड व्यू) आदि का चित्रांकन (विजुवलाइज) कर पाना।																									
त्रिआयाम के द्विआयाम में पृष्ठीय विकास को समझ पाना। (नेट जाल की मदद से)																									
नज़री नक्शे को देखकर चीज़ों एवं जगहों की सापेक्ष स्थिति बता पाना।																									
सममित वस्तु की पहचान एवं किसी चित्र में एक से अधिक सममित अक्ष खोज पाना।																									
वृत के केन्द्र, त्रिज्या, परिधि एवं व्यास को बता पाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म 2 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक →	अनुक्रमांक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
संख्या ज्ञान की समझ																										
भिन्नों की स्थिति को समझ कर चित्रात्मक निरूपण कर पाना।																										
संख्यांकों की मदद से आधा, चौथाई, तीन चौथाई को समझ कर लिख पाना																										
भिन्नों की तुलना (>, =, <) के चिह्नों का प्रयोग से कर पाना तथा घटते - बढ़ते क्रम में लिख पाना। ।																										
संक्रियाओं की समझ																										
तीन अंकों की संख्या में एक व दो अंक की संख्या के भाग की समझ बना पाना।																										
भाग पर आधारित दैनिक जीवन की समस्याओं को हल कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित)																										
गुणा व भाग पर आधारित इबारती प्रश्न हल कर पाना।																										
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																										
परिवेशीय चीज़ों/घटनाओं में पैटर्न खोजकर आगे बढ़ा पाना।																										
विविध संक्रियाओं पर आधारित पैटर्न खोज कर आगे बढ़ा पाना एवं नए पैटर्न बना पाना।																										
मापन की समझ																										
विविध भौतिक राशियों का मानक इकाइयों में मापन करने की समझ के साथ तुलना कर पाना।																										
चीज़ों की मात्रा का मानक इकाइयों में अनुमान लगाना एवं मापकर सही होने की पुष्टि करना।																										
नेट (ग्राफ) पर सरल आकृतियों वाले चित्र एवं आकृतियों के क्षेत्रफल व परिमाप का अनुमान लगाना एवं खाने गिनकर सही होने की पुष्टि करना।																										
कैलेण्डर पढ़ पाना एवं माह, दिन, दिनांक की समझ बना पाना तथा दो तारीखों के बीच समय अन्तराल को समझ पाना।																										
घन्टे व मिनट के रूप में समय बता पाना तथा AM और PM की समझ के साथ 24 घन्टे व 12 घन्टे की घड़ी में देखकर समझ पाना।																										

www.rajteachers.com

टर्म 3 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा 4

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
संख्या ज्ञान की समझ																									
चार अंकों तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।																									
भिन्नों को निरूपित एवं तुलना कर पाना।																									
संक्रियाओं की समझ																									
तीन अंकों की संख्याओं के लिए जोड़ व उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्न पढ़कर हल पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित)																									
गुणा व भाग पर आधारित समस्याओं को हल कर पाना।(देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित)																									
एकाधिकेनपूर्वेण सूत्र का अनुप्रयोग जोड़–घटाव में कर पाना।																									
मापन की समझ																									
मुद्रा के लेन–देन से संबंधित चारों संक्रियाएं कर पाना।																									
दो घटनाओं के मध्य समय अन्तराल की गणना जोड़ने–घटाने के माध्यम से कर पाना।																									
आकृति एवं स्थान की समझ																									
वस्तुओं के शीर्ष दृश्य (टॉप–व्यू), सम्मुख दृश्य (फ्रन्ट–व्यू) तथा पार्श्व दृश्य (साइड–व्यू) आदि का चित्रांकन (विजुवलाइज) कर पाना।																									
त्रिआयाम के द्विआयाम में पृष्ठीय विकास को समझ पाना।																									
नज़री नक्शे को देखकर चीज़ों एवं जगहों की सापेक्ष स्थिति बता पाना।																									
वृत के केन्द्र, त्रिज्या, परिधि एवं व्यास को बता पाना।																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																									
विविध भौतिक राशियों के मापन सम्बन्धी आँकड़े संकलित कर पाना एवं व्यवस्थित कर तुलना करना।																									
प्राप्त आंकड़ों को टेलिमार्क व पिक्टोग्राफ की सहायता से सूचीबद्ध कर पाना।																									
प्राप्त आँकड़ों का चित्रालेख/दण्ड आलेख बना पाना।																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–3

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा–1	*संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक → अनुक्रमांक	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I										
		II										
		III										
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।		I										
		II										
		III										
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना।		I										
		II										
		III										
51 से 99 तक की संख्याओं को बोलना, पहचानना व क्रम से लिख पाना।		I										
		II										
		III										
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित हल कर पाना।(1 से 20 तक की संख्या में)		I										
		II										
		III										
दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित हल कर पाना। (1 से 20 तक की संख्या में)		I										
		II										
		III										

कक्षा–2	*संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक अनुक्रमांक →	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I										
		II										
		III										
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।		I										
		II										
		III										
दहाई की अवधारणा की समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।		I										
		II										
		III										

www.rajteachers.com

चीज़ों की संख्या का अनुमान 100 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I										
	II										
	III										
**दहाई में दहाई के बिना हाँसिल के जोड़ पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना।	I										
	II										
	III										
दहाई में दहाई के बिना उधार के घटाने पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना।	I										
	II										
	III										
बार–बार जोड़ कर गुणा एवं बार–बार घटाकर भाग कर पाना।	I										
	II										
	III										

कक्षा–3 *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक अनुक्रमांक →	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
* 1 से 999 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना।	I										
	II										
	III										
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण कर पाना, विस्तारित रूप में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलना एवं अनुमान लगा पाना।	I										
	II										
	III										
** तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हाँसिल व हाँसिल का जोड़ना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।	I										
	II										
	III										
हाँसिल के जोड़ पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।	I										
	II										
	III										
तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना उधार एवं उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन–विधि से कर पाना।	I										
	II										
	III										
उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।	I										
	II										
	III										
चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बना पाना एवं 2 से 10 तक पहाड़े बना पाना।	I										
	II										
	III										
दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।	I										
	II										
	III										

www.rajteachers.com

प्रारूप–4

टर्मवार योगात्मक आकलन की स्थिति

पोर्टफोलियो,रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट,कक्षा कार्य,गृह कार्य,मौखिक क्रियाएं,विचार विमर्श,कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएं,शिक्षक अनुभव को आधार बनाते हुए पूर्ति करें।

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	अनुक्रमांक →	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान की समझ																											
आकृतियों को विविध कोणों से विजुवलाइज कर पाना एवं नजरी नक्शे को समझ पाना।		I																									
		II																									
		III																									
त्रिआयामी व द्विआयामी आकृतियों के सम्बन्ध को समझ पाना। ट्रेसिंग से, पृष्ठीय विकास से, नैट पर आकृति बनाकर आदि।		I																									
		II																									
		III																									
वृत के केन्द्र, त्रिज्या, परिधि व व्यास को बता पाना।		I																									
		II																									
		III																									
सममिति की समझ बनाना • अधूरे चित्र पूरे करना • सममित अक्ष खोजना		I																									
		II																									
		III																									
संख्या ज्ञान की समझ	**कक्षा स्तर**	I																									
		II																									
		III																									
संख्या नाम पढ़कर/सुनकर चीज़ों को गिनकर बता पाना व लिख पाना। • (1–99 कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2) (1–999 कक्षा–3) (चार अंकों तक की कक्षा–4)		I																									
		II																									
		III																									
संख्याओं की तुलना कर पाना। • (1–50 कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2) (1–999 कक्षा–3) (चार अंकों तक की कक्षा–4)		I																									
		II																									
		III																									

www.rajteachers.com

चीज़ों व चित्रों को देखकर उनकी मात्रा का अनुमान लगा पाना। • (1–50 कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2) (1–999 कक्षा–3) (चार अंकों तक की कक्षा–4)	I																									
	II																									
	III																									
विविध प्रकार से संख्याओं का निरूपण कर पाना। • (1–50 कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2) (1–999 कक्षा–3) (चार अंकों तक की कक्षा–4)	I																									
	II																									
	III																									
भिन्न की समझ बना पाना। • अवधारणात्मक (कक्षा–3) • तुलना (कक्षा–4)	I																									
	II																									
	III																									
संक्रियाओं की समझ — **कक्षा स्तर**	I																									
	II																									
	III																									
जोड़ एवं बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित रूप में हल कर पाना। एक अंक का (कक्षा–1), दो अंकों का (कक्षा–2), दो अंकों का हाँसिल सहित (कक्षा–3), तीन अंकों का हाँसिल सहित (कक्षा–4)	I																									
	II																									
	III																									
पहाड़े बनाना एवं याद करना। • 1–10 (कक्षा–3) • 11–20 (कक्षा–4)	I																									
	II																									
	III																									
गुणा व भाग की समझ बना पाना । • अवधारणात्मक (कक्षा–2 व 3 दोनों) • गुणा चिह्न से परिचय (कक्षा–3) • कलन विधि (कक्षा–4)	I																									
	II																									
	III																									
वैदिक गणित के सूत्र एकाधिकेन एवं एक न्यूनेन की • अवधारणा समझ पाना। (कक्षा–3) • सहायता से जोड़ व घटाव करना। (कक्षा–4)	I																									
	II																									
	III																									
इबारत पढ़कर/सुनकर संक्रिया को हल कर पाना। जोड़ व घटाव बिना हाँसिल (कक्षा–2), जोड़, घटाव, गुणा व भाग (कक्षा–3 व 4)	I																									
	II																									
	III																									

मापन की समझ																										
चीज़ों की कीमत का अनुमान लगा पाना एवं लेन–देन कर पाना। (जोड़, घटाव, गुणा व भाग के प्रयोग द्वारा)	I																									
	II																									
	III																									
समय अन्तराल को समझ पाना। • (माह, दिन व दिनांक) (AM और PM के रूप में) • (घंटे व मिनट में) (समय अन्तराल की गणना)	I																									
	II																									
	III																									
विविध भौतिक राशियों का मापन मानक इकाईयों की समझ से कर पाना। • (लम्बाई) (भार) (धारिता) (समय)	I																									
	II																									
	III																									
क्षेत्रफल व परिमाप की आरम्भिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
	III																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																										
रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना। चित्रों से, चित्रों की संख्याओं में, परिवेशीय डिज़ाइनों में	I																									
	II																									
	III																									
संख्याओं में पैटर्न को खोजना, बढ़ाना एवं नए पैटर्न बनाना। • (संख्या रेखा पर) (10 के गुणज में) • (जोड़–घटाव, गुणा–भाग पर आधारित)	I																									
	II																									
	III																									
दैनिक जीवन की घटनाओं के आँकड़ों का प्रबन्धन कर पाना। • (संकलन/ संगठन /चित्रालेख/दण्डालेख/आलेख निरूपण/ विश्लेषण)	I																									
	II																									
	III																									

प्रारूप–5

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																										
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।	I																									
	III																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।	I																									
	III																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बताना बल्कि उदाहरणों से समझाना)	I																									
	III																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना एवं त्रुटि सुधार कर पाना।	I																									
	III																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।	I																									
	III																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																										
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।	I																									
	III																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।	I																									
	III																									
गणित के प्रति रुझान																										
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।	I																									
	III																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।	I																									
	III																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।	I																									
	III																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–2

टर्म 1 : सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
संख्या ज्ञान की समझ																									
रंग, आकार एवं चित्र के संकेत से सर्वसम्भव संख्याओं को बनाने, पढ़ने, तुलना करने की समझ रख पाना।																									
तीन या चार अंक दिए होने पर तीन/चार अंकों की सर्वसम्भव संख्याएँ बना पाना, (कोई भी अंक दोहराया नहीं जाएं)																									
पाँच अंकों तक की संख्याओं को पढ़ने, लिखने व तुलना करने की समझ बना पाना।																									
भिन्नों का संख्या रेखा पर निरूपण कर पाना।																									
भिन्नों की तुलना कर पाना।																									
तुल्य भिन्न की अवधारणा समझ पाना।																									
भिन्न को दशमलव भिन्न में एवं दशमलव भिन्न को भिन्न रूप में लिख पाना।																									
संक्रियाओं की समझ																									
जोड़–घटाव पर आधारित इबारती प्रश्नों को हल कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित)																									
तीन अंकों की संख्या का तीन अंकों की संख्या से गुणा कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित)																									
तीन अंकों की संख्या में दो अंकों की संख्या का भाग कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित)																									
वैदिक गणित के निखिलम सूत्र का अनुप्रयोग गुणा में कर पाना।																									
गुणज व गुणन–खण्ड की आरम्भिक समझ बना पाना।																									
दो या दो से अधिक संख्याओं के समान गुणज़ (सार्वगुणज) एवं सबसे छोटे सार्वगुणज़ की समझ बना पाना।																									
दो या दो से अधिक संख्याओं के समान गुणनखण्ड(सार्वगुणनखण्ड) एवं सबसे बड़े समान सार्वगुणनखण्ड़ की समझ बना पाना।																									
योग, घटाव, गुणन एवं भाग में परिणाम का अनुमान लगा पाना।																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																									
परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना।																									
संख्याओं के संक्रिया आधारित पैटर्न खोजने, आगे बढ़ाने एवं नए पैटर्न बनाने की समझ बना पाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म 2 :– सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा – 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
संख्या ज्ञान की समझ																									
पाँच अंकों की संख्याओं को पढ़ने, लिखने व तुलना करने की समझ बनाना।																									
भिन्नों का संख्या रेखा पर निरूपण कर पाना।																									
भिन्नों की तुलना कर पाना।																									
तुल्य भिन्न की अवधारणा समझ पाना।																									
संक्रियाओं की समझ																									
जोड़–घटाव पर आधारित इबारती प्रश्नों को हल कर पाना।																									
तीन अंकों की संख्याओं में दो अंकों की संख्याओं के गुणा व भाग के इबारती प्रश्नों को हल कर पाना।																									
गुणज़ व गुणनखण्ड को विविध रूप में समझ पाना। (सबसे छोटे, समान, सबसे बड़ा)																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																									
दण्ड आलेख व चित्रालेख की रचना की अवधारणात्मक समझ बना पाना।																									
एकत्रित आंकड़ों को टेलिचिह्न व पिक्टोग्राफ द्वारा सारणी के रूप में प्रदर्शित कर पाना।																									
मापन की समझ																									
लम्बाई :– बड़ी इकाई को छोटी व छोटी इकाई को बड़ी इकाई में बदल पाना, लम्बाई से सम्बन्धित प्रश्नों में चार मूल गणितीय संक्रियाओं का उपयोग कर पाना।																									
मुद्रा :– बड़ी इकाई को छोटी व छोटी इकाई को बड़ी इकाई में बदल पाना, मुद्रा से सम्बन्धित प्रश्नों में चार मूल गणितीय संक्रियाओं का उपयोग कर पाना।																									
भार :– बड़ी इकाई को छोटी व छोटी इकाई को बड़ी इकाई में बदल पाना, भार से सम्बन्धित प्रश्नों में चार मूल गणितीय संक्रियाओं का उपयोग कर पाना।																									
धारिता :– बड़ी इकाई को छोटी व छोटी इकाई को बड़ी इकाई में बदल पाना, धारिता से सम्बन्धित प्रश्नों में चार मूल गणितीय संक्रियाओं का उपयोग कर पाना।																									
समय :– बड़ी इकाई को छोटी व छोटी इकाई को बड़ी इकाई में बदल पाना, समय से सम्बन्धित प्रश्नों में चार मूल गणितीय संक्रियाओं का उपयोग कर पाना।																									
क्षेत्रफल एवं परिमाप की समझ बना पाना।																									
क्षेत्रफल एवं परिमाप के संबंध की समझ बना पाना एवं अनुप्रयोग कर पाना।																									

www.rajteachers.com

टर्म 3 :– सतत रचनात्मक आकलन की स्थिति कक्षा – 5

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान की समझ																									
कोण के सापेक्ष चीज़ों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई घूमने पर बनने वाली स्थितियों को विजुवलाइज़ कर पाना।																									
कोण बनने की स्थितियों, कोणों के प्रकारों एवं उनकी रचना व मापन करने की समझ बना पाना।																									
कोण की रचना सम्बन्धी क्रियात्मक कार्यों को कर पाना।																									
संख्या ज्ञान की समझ																									
पाँच अंकों की संख्याओं को पढ़ने, लिखने व तुलना करने की समझ बनाना।																									
तीन या चार अंकों से तीन या चार अंकों की सर्वसम्भव संख्याएँ बना पाना।																									
भिन्नों का संख्या रेखा पर निरूपण कर पाना एवं उनकी तुलना एवं तुल्य भिन्न की अवधारणा को समझ पाना।																									
भिन्न को दशमलव भिन्न में एवं दशमलव भिन्न को भिन्न रूप में लिख पाना।																									
संक्रियाओं की समझ																									
जोड़–घटाव पर आधारितं इबारती प्रश्नों को हल कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित)																									
तीन अंकों की संख्याओं में दो अंकों की संख्याओं के गुणा व भाग के इबारती प्रश्नों को हल कर पाना। (देवनागरी अंकों के प्रयोग सहित)																									
योग, घटाव, गुणन एवं भाग में परिणाम का अनुमान लगा पाना।																									
गुणज़, समान गुणज़, सबसे छोटे समान गुणज(सार्वगुणज) की समझ बना पाना।																									
गुणनखण्ड, समान गुणनखण्ड, सबसे बड़े समान गुणनखण्ड(सार्वगुणनखण्ड) की समझ बना पाना।																									
वैदिक गणित के निखिलम सूत्र का अनुप्रयोग गुणा में कर पाना।																									
अमूर्त चिन्तन एवं समस्या समाधान के कौशल का विकास कर पाना।																									
मापन की समझ																									
विविध भौतिक राशियों (भार, धारिता, लम्बाई, समय व मुद्रा आदि) की बड़ी इकाई को छोटी व छोटी इकाई को बड़ी इकाई में बदल पाना एवं उन पर चारो मूल गणितीय संक्रियाओं का उपयोग कर पाना।																									
क्षेत्रफल एवं परिमाप के संबंध की समझ के साथ अनुप्रयोग कर पाना।																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																									
दण्ड आलेख व चित्रालेख की रचना की अवधारणात्मक समझ बना पाना।																									
परिवेशीय संदर्भों के आँकड़ों की सारणी को पढ़ पाना एवं आँकड़ों की व्याख्या कर पाना।																									
कैलेण्डर व पहेलियों की मदद से संख्याओं के संक्रिया आधारित पैटर्न खोजने, आगे बढ़ाने एवं नए पैटर्न बनाने की समझ बनाना।																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–3

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष रचनात्मक आकलन की स्थिति

कक्षा–1	संख्या ज्ञान एवं संक्रियाओं के सूचक अनुक्रमांक →	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I										
		II										
		III										
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।		I										
		II										
		III										
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक–पहले, ठीक–बाद की संख्या बता पाना।		I										
		II										
		III										
51 से 99 तक की संख्याओं को बोलना, पहचानना व क्रम से लिख पाना।		I										
		II										
		III										
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हाँसिल का जोड़ मौखिक व लिखित हल कर पाना।(1 से 20 तक की संख्या में)		I										
		II										
		III										
दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित हल कर पाना। (1 से 20 तक की संख्या में)		I										
		II										
		III										

कक्षा–2	*संख्या ज्ञान एवं संक्रियाओं के सूचक अनुक्रमांक →	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
* 1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I										
		II										
		III										
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।		I										
		II										
		III										

www.rajteachers.com

दहाई की अवधारणा की समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I										
	II										
	III										
चीज़ों की संख्या का अनुमान 100 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I										
	II										
	III										
**दहाई में दहाई के बिना हाँसिल के जोड़ पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना।	I										
	II										
	III										
दहाई में दहाई के बिना उधार के घटाने पर आधारित आंकिक एवं इबारती प्रश्न हल कर पाना।	I										
	II										
	III										
बार–बार जोड़ कर गुणा एवं बार–बार घटाकर भाग कर पाना।	I										
	II										
	III										

कक्षा–3 *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक अनुक्रमांक →	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
* 1 से 999 तक की संख्याओं को पहचान पाना एवं संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना।	I										
	II										
	III										
स्थानीय मान की समझ के आधार पर तीन अंकों तक की संख्याओं का निरूपण कर पाना, विस्तारित रूप में लिख पाना, संख्या पढ़ पाना और संख्याओं की तुलना एवं अनुमान लगा पाना।	I										
	II										
	III										
** तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना हाँसिल व हाँसिल का जोड़ना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।	I										
	II										
	III										
हाँसिल के जोड़ पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।	I										
	II										
	III										
तीन अंकों तक की संख्याओं का बिना उधार एवं उधार का घटाना स्थानीय मान के तर्क को समझते हुए मानक प्रचलित कलन विधि से कर पाना।	I										
	II										
	III										

उधार के घटाने पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।	I										
	II										
	III										
चित्र व प्रतीकों की मदद से गुणा की समझ बना पाना एवं 2 से 10 तक पहाड़े बना पाना।	I										
	II										
	III										
दहाई में इकाई के गुणा पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरूपित कर पाना।	I										
	II										
	III										

कक्षा–4 *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक अनुक्रमांक →	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
* चार अंकों तक की संख्याओं की पुख्ता समझ बना पाना एवं चार अंकों की संख्याओं से परिचित हो पाना।	I										
	II										
	III										
चार अंकों तक की संख्याओं को संख्या रेखा पर निरूपित कर पाना एवं संख्या रेखा की रचना कर पाना।	I										
	II										
	III										
भिन्न की अवधारणात्मक समझ बना पाना एवं तुलना कर पाना। जैसे– ठोस व चित्रों से। (भिन्न को आधा, चौथाई तथा तीन चौथाई के रूप में लिख पाना)	I										
	II										
	III										
गिनती (क्रमागत संख्याओं) के सरल परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। जैसे– पुस्तकालय में अमुक नम्बर की पुस्तक ढूँढ़ पाना।	I										
	II										
	III										
** दहाई में दहाई के गुणा की अवधारणात्मक समझ ठोस व चित्रों की सहायता से विभिन्न विधियों से निरूपित कर बना पाना।	I										
	II										
	III										
11 से 20 तक पहाड़े बनाना एवं याद कर पाना।	I										
	II										
	III										
चारों संक्रियाओं पर आधारित इबारती प्रश्नों की इबारत पढ़कर व सुनकर समस्या हल कर पाना।	I										
	II										
	III										

www.rajteachers.com

प्रारूप–4

टर्मवार योगात्मक आकलन की स्थिति

पोर्टफोलियो,रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट,कक्षा कार्य,गृह कार्य,मौखिक क्रियाएं,विचार विमर्श,कक्षा–कक्षीय प्रक्रियाएं,शिक्षक अनुभव को आधार बनाते हुए पूर्ति करें।

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक अनुक्रमांक →	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान की समझ																										
कोण के सापेक्ष चीजों के आधा, चौथाई, तीन चौथाई घूमने पर बनने वाली स्थितियों को विजुवलाइज कर पाना।	I																									
	II																									
कोणों के प्रकार, कोणों की रचना तथा मापन संबंधित क्रियात्मक कार्य की समझ बना पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान की समझ — कक्षा स्तर	I																									
	II																									
संख्या नाम पढ़कर/सुनकर चीज़ों को गिनकर बता पाना व लिख पाना। • (1–99 कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2) (1–999 कक्षा–3) (चार अंकों तक की कक्षा–4) (चार अंकों से अधिक (कक्षा–5)	I																									
	II																									
संख्याओं की तुलना कर पाना। • (1–50 कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2) (1–999 कक्षा–3) (चार अंकों तक की कक्षा–4) (चार अंकों से अधिक (कक्षा–5)	I																									
	II																									
चीज़ों व चित्रों को देखकर उनकी मात्रा का अनुमान लगा पाना। • (1–50 कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2) (1–999 कक्षा–3) (चार अंकों तक की कक्षा–4) (चार अंकों से अधिक (कक्षा–5)	I																									
	II																									
विविध प्रकार से संख्याओं का निरूपण कर पाना। • (1–50 कक्षा–1) (1–100 कक्षा–2) (1–999 कक्षा–3) (चार अंकों तक की कक्षा–4) (चार अंकों से अधिक (कक्षा–5)	I																									
	II																									
रंग, आकार व चित्र के संकेत एवं दिये गये अंकों से सर्वसम्भव संख्याएँ बना पाना।	I																									
	II																									
भिन्न की समझ बना पाना। • अवधारणात्मक (कक्षा–3) • तुलना (कक्षा–4 व 5) • संख्या रेखा पर निरूपण और तुल्य भिन्न की समझ (कक्षा–5)	I																									
	II																									
संक्रियाओं की समझ — कक्षा स्तर	I																									
	II																									
जोड़ एवं बिना उधार का घटाना मौखिक व लिखित रूप में हल कर पाना। • (एक अंक का कक्षा–1), (दो अंकों का कक्षा–2), (दो अंकों का हाँसिल सहित कक्षा–3) (तीन अंकों का हाँसिल सहित कक्षा–4) (तीन अंकों से अधिक का हाँसिल सहित कक्षा–5)।	I																									
	II																									

www.rajteachers.com

पहाड़े बनाना एवं याद करना।	I																									
• (1–10 कक्षा–3) (11–20 कक्षा–4 व 5)	II																									
गुणा व भाग की समझ बना पाना ।	I																									
• अवधारणात्मक (कक्षा–2 व 3 दोनों) • (गुणा चिह्न से परिचय कक्षा–3) (कलन विधि कक्षा–4 व 5)	II																									
वैदिक गणित के सूत्र एकाधिकेन एवं एक न्यूनेन की	I																									
• अवधारणा समझ पाना। (कक्षा–3) • सहायता से जोड़ व घटाव करना। (कक्षा–4) • सूत्र निखिलम से गुणा करना। (कक्षा–5)	II																									
इबारत पढ़कर/सुनकर संक्रिया को हल कर पाना। • जोड़ व घटाव बिना हाँसिल (कक्षा–2) • जोड़, घटाव, गुणा व भाग (कक्षा–3 से 5)	I																									
	II																									
गुणज व गुणनखण्ड की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
चारों संक्रियाओं योग, घटाव, गुणन एवं भाग में परिणाम का अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									
मापन की समझ																										
चीज़ों की कीमत का अनुमान लगा पाना एवं लेन–देन कर पाना। (जोड़, घटाव, गुणा व भाग के प्रयोग द्वारा)	I																									
	II																									
कैलेण्डर पढ़ पाना व माह, दिन व दिनांक की समझ बना पाना तथा घण्टा, मिनट एवं सैकण्ड के संबंध को समझ पाना।	I																									
	II																									
विविध भौतिक राशियों का मापन मानक इकाईयों की समझ से कर पाना।	I																									
	II																									
क्षेत्रफल व परिमाप की प्रारम्भिक समझ के साथ अनुप्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न की समझ																										
रंग, आकार व आकृति के आधार पर नए पैटर्न बना पाना।	I																									
• चित्रों से/चित्रों की संख्याओं में/परिवेशीय डिज़ाइनों में आदि।	II																									
संख्याओं में पैटर्न को खोजना, बढ़ाना एवं नए पैटर्न बनाना।	I																									
• संख्या रेखा पर • जोड़–घटाव, गुणा–भाग पर आधारित	II																									
दैनिक जीवन की घटनाओं के आँकड़ों का प्रबन्धन कर पाना।	I																									
• संकलन/ संगठन / आलेख निरूपण/ विश्लेषण	II																									

www.rajteachers.com

प्रारूप–5

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	टर्म	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																										
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।	I																									
	III																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।	I																									
	III																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बताना बल्कि उदाहरणों से समझाना)	I																									
	III																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना एवं त्रुटि सुधार कर पाना।	I																									
	III																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।	I																									
	III																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																										
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।	I																									
	III																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ पाना व लागू कर पाना।	I																									
	III																									

www.rajteachers.com

गणित के प्रति रुझान																										
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।	I																									
	III																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।	I																									
	III																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।	I																									
	III																									

निर्देश–शिक्षक पेपर–पेंसिल टेस्ट के समय प्रश्न पत्र निर्माण की मूल अवधारणाओं का ध्यान रखे।

नोट :– योगात्मक मूल्यांकन में उस टर्म से संबधित रचनात्मक आकलन में दिए गए अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचकों को ध्यान में रखते हुए आकलन किया जाए एवं तृतीय योगात्मक आकलन के स्थान पर आयोज्य प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन के समय सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को सम्मिलित करते हुए पेपर पेन्सिल टेस्ट लिया जाना है।

www.rajteachers.com

"आपकी सजगता, बच्चे की सुरक्षा"

बाल अधिकारिता विभाग राजस्थान सरकार

20/198, सेक्टर-2, कावेरी पथ, के.एल. सैनी स्टेडियम के पास मानसरोवर, जयपुर फोन : 0141-2399335

Email : ccosjerajasthan@gmail.com, dcr@rajasthan.gov.in • Website : www.dcrraj.in

www.rajteachers.com

आओ ! कुछ अच्छा सोचें, कुछ अच्छा करें।

खुद को ..., अपनी अच्छी सोच को ... आसमान छूने दें !

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद

ब्लॉक -5, डॉ. एस. राधाकृष्णन शिक्षा संकुल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर (राजस्थान)

www.rajteachers.com